Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, बुधवार 15 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: जाम पर लगाम या होंगे परेशान...कल से शहर के तीन प्रमुख मार्ग वन-वे

जाम से निजात दिलाने के लिए महानगर के तीन प्रमुख मार्गों पर 16 जुलाई से वन-वे यातायात व्यवस्था लागू हो रही है। ऐसे में दुबे का पड़ाव चौराहे पर तीन दिवसीय ट्रैफिक डायवर्जन प्लान फेल होने के बाद पुलिस के सामने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने की चुनौती है। वहीं, व्यापारियों और आम लोगों के मन में भी सवाल है कि नया प्रयोग जाम कम करेगा या उनकी परेशानी को और बढ़ाएगा। महानगर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए सेंटर प्वाइंट से रेलवे स्टेशन मार्ग को वन-वे किया जा रहा है। यातायात पुलिस ने इसकी पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। अब वाहन केवल सेंटर प्वाइंट चौराहे से मधोपुरा होते हुए रेलवे स्टेशन की ओर जा सकेंगे। रेलवे स्टेशन से वापस सेंटर प्वाइंट आने वाले वाहनों को स्टेट बैंक तिराहा घूमकर आना होगा। इसके अलावा सेंटर प्वाइंट से समद रोड होते हुए रामघाट रोड गांधी आई हॉस्पिटल की तरफ केवल जाने का रास्ता खुला रहेगा। रामघाट रोड से सेंटर प्वाइंट की तरफ आने वाले वाहन अब सीधे नहीं आ सकेंगे। उन्हें रामघाट रोड से जनकपुरी होते हुए मैरिस रोड के रास्ते या फिर किशनपुर तिराहा-लक्ष्मीबाई मार्ग होकर मैरिस रोड के रास्ते सेंटर प्वाइंट पहुंचना होगा। दूसरी ओर, अचल ताल के व्यापारी मयंक अग्रवाल ने नीति पर चिंता जताते हुए कहा कि बदलाव से जाम तो कम होगा, लेकिन व्यापारियों की व्यावसायिक चुनौतियां बढ़ जाएंगी। वन-वे होने के कारण मालवाहक वाहनों जैसे छोटा हाथी को लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा, जिससे माल ढुलाई का खर्च और समय दोनों बढ़ जाएंगे।

अचल ताल से पालीवाल मार्ग होकर आगरा-हाथरस अड्डा जाने वाले मार्ग को भी वन-वे किया जाएगा। यहां से वाहन केवल हाथरस अड्डा की तरफ जा सकेंगे। हाथरस अड्डा या आगरा रोड से अचल ताल की तरफ आने वाले वाहनों को ब्राह्मणपुरी या मदार गेट चौराहा होकर आना होगा।

जनता का सहयोग जरूरी : एसपी ट्रैफिक

एसपी यातायात प्रवीण कुमार ने बताया कि यातायात में किए जा रहे इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य जनता को रोजाना लगने वाले लंबे जाम से निजात दिलाना है। शुरुआत में लोगों को असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस विभाग व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि लोग नए रूट से वाकिफ हो सकें। उन्होंने शहरवासियों से इस नई व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

कहीं स्वागत तो कहीं लोगों में चिंता

यातायात विभाग के इस कदम पर शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों और जानकारों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। सेंटर प्वाइंट व्यापार मंडल के अध्यक्ष विवेक बगई ने इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सेंटर प्वाइंट पर रोजाना लगने वाले जाम से आम जनता के साथ-साथ व्यापारियों का धंधा भी चौपट हो रहा था। इस कदम से बाजार को बड़ी राहत मिलेगी।

Aligarh News: प्रसव के बाद पेट में ही छोड़ दी रूई ऑपरेशन का खर्च न देने पर हंगामा

मैरिस रोड स्थित कृष्णा नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान एक महिला के पेट में रूई छूट गई। तबीयत बिगड़ने पर जब सीटी स्कैन कराया तो इसका पता चला। वादे के मुताबिक ऑपरेशन के रुपये नहीं मिलने पर परिजनों ने हंगामा किया। दरअसल, नर्सिंग होम के डॉक्टरों ने दूसरी जगह ऑपरेशन कराकर कॉटन निकलवाने और सारा खर्चा देने का वादा किया था। चंडौली बुजुर्ग निवासी अरविंद चौहान ने बताया कि आठ महीने पहले गांव के ही निरंजन ने उनकी बेटी जागृति की कृष्णा नर्सिंग होम में सामान्य प्रसव कराने की बात कही थी। अस्पताल में 40 हजार रुपये जमा कराने के बाद महिला का ऑपरेशन किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने पेट के अंदर ही कॉटन छोड़ दी। प्रसव के बाद से ही जागृति को लगातार पेट में गंभीर दर्द रहने लगा। अस्पताल के लोग हर बार दवा देकर टालते रहे। जब हालत ज्यादा बिगड़ी तो परिजनों ने सीटी स्कैन कराया। इसमें पेट के अंदर रूई होने की पुष्टि हुई। पीड़िता की बहन प्रियंका ने बताया कि इस गंभीर लापरवाही के कारण जागृति का वजन घटकर महज 20 किलो रह गया है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने नर्सिंग होम प्रबंधन को यह बात बताई, तो बदनामी के डर से डॉक्टर ने कहा, मामला उछालो मत। दूसरे अस्पताल में ऑपरेशन करा लो, सारा खर्च मैं दूंगा।

डॉक्टर के भरोसे पर परिजनों ने महिला का दोबारा ऑपरेशन कराया, जिसमें करीब 3.20 लाख रुपये का खर्च आया। जब पीड़िता के परिजन बिल का भुगतान मांगने कृष्णा नर्सिंग होम पहुंचे, तो संचालक ने पैसे देने से साफ मना कर दिया और उन्हें पहचानने तक से इन्कार कर दिया। मंगलवार को नर्सिंग होम संचालक की वादाखिलाफी से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और स्टाफ के साथ तीखी नोकझोंक हुई। हंगामे को बढ़ता देख आरोपी डॉक्टर अस्पताल छोड़कर भाग गए। सूचना पर थाना सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची लोगों को शांत कराया। पीड़िता के पिता अरविंद चौहान की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सब-इंस्पेक्टर अनिल कुमार को सौंपी है।

Aligarh News: कचरे में नहीं जाएगी राखी, मिट्टी में जाते ही बनेगी पौधा

अतरौली के गांव खेड़ाबाद नगलिया की महिलाएं भाई-बहन के प्रेम के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही हैं। गांव की अलका वर्मा के नेतृत्व में जय शनि देव स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने इस बार ऐसी सीड राखी (बीज वाली राखी) तैयार की है, जो बाद कचरे में नहीं जाएगी, बल्कि मिट्टी में जाते ही कुछ समय बाद पौधे का रूप ले लेगी। समूह संचालिका अलका वर्मा ने बताया कि सामान्य राखियां त्योहार के बाद कचरे में चली जाती हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ता है। इसी समस्या को देखते हुए महिलाओं ने पर्यावरण के अनुकूल राखियां बनाने का निर्णय लिया। इन राखियों को तैयार करने में मिट्टी, हैंडमेड पेपर और सूती-रेशमी कलावे का प्रयोग किया गया है। इन विशेष राखियों में तुलसी, गेंदा, टमाटर और मिर्च जैसे उपयोगी एवं औषधीय पौधों के बीज लगाए गए हैं। रक्षाबंधन के बाद भाई इन राखियों को गमले या बगीचे की मिट्टी में लगा सकते हैं, जहां कुछ समय बाद पौधे विकसित हो जाएंगे। जय शनि देव स्वयं सहायता समूह की यह पहल महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

अलका वर्मा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण महिलाओं को रोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मेहनत से इन राखियों को तैयार कर रही हैं और बाजार में भी इनकी मांग भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल राखियों को अपनाने से रक्षाबंधन का त्योहार रिश्तों की मिठास के साथ प्रकृति के संरक्षण का संदेश भी देगा।

Aligarh News: 16 जुलाई से खुलेंगे एएमयू के सभी स्कूल

गर्मी की छुट्टियों के बाद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के सभी नौ स्कूल 16 जुलाई से फिर से खुल जाएंगे। एएमयू प्रशासन के अनुसार, स्कूलों में पांच जून से 15 जुलाई तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया था। अवकाश समाप्त होने के बाद सभी विद्यालयों में कक्षाएं पूर्व निर्धारित समयानुसार संचालित होंगी। 16 जुलाई से राजा महेंद्र प्रताप सिंह एएमयू सिटी स्कूल, एएमयू गर्ल्स स्कूल, सैयद हामिद सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिटी गर्ल्स हाईस्कूल काजीपाड़ा, अहमदी स्कूल फॉर द विजुअली चैलेंज्ड और अब्दुल्ला स्कूल समेत सभी नौ स्कूलों में शिक्षण कार्य शुरू हो जाएगा। स्कूल खुलने से पहले परिसर में साफ-सफाई और अन्य आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर माहौल मिल सके।

Aligarh News: जेल पुल पर बीच सड़क पर खराब हुआ टेंपो, लगा जाम

शहर के जेल पुल पर मंगलवार दोपहर बीच सड़क पर एक टेंपो खराब हो जाने से करीब डेढ़ घंटे तक यातायात बाधित रहा। देखते ही देखते पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीषण गर्मी के बीच जाम में फंसे लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। जाम के कारण दोपहिया वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और स्कूल से लौट रहे बच्चों को सबसे अधिक दिक्कत हुई। कई लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और खराब टेंपो को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। करीब डेढ़ घंटे बाद जाम पूरी तरह खुल सका और वाहनों की आवाजाही सामान्य हुई। एसपी ट्रैफिक प्रवीण यादव ने बताया कि जेल पुल पर टेंपो खराब होने के कारण जाम लगा था। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वाहन को हटवाया और यातायात सामान्य कराया।

Accident: ओवरटेक करने पर कार चालक ने स्कूटी सवार पर तानी पिस्टल, जांच में निकली टॉयगन, शांतिभंग में हुआ चालान

दीपक ने जेब से पिस्टल जैसी दिखने वाली वस्तु निकालकर सौरभ की कनपटी पर तान दी और गोली मारने की धमकी दी। बीच बाजार हथियार देख राहगीरों में दहशत फैल गई। अलीगढ़ के रेलवे रोड पर ओवरटेक के चक्कर में 13 जुलाई देर रात स्कूटी और इनोवा कार की टक्कर हो गई। इसके बाद बीच सड़क पर जमकर हंगामा हुआ। कार चालक ने स्कूटी सवार पर पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी दी। हालांकि, पुलिस जांच में हथियार बच्चों की टॉयगन निकला। गांधीपार्क थाना क्षेत्र के रेलवे रोड पर सारसौल के मयूर विहार निवासी सौरभ मित्तल स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आगे चल रही इनोवा कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक के दौरान दोनों वाहनों के बीच हल्की रगड़ लग गई।

इस बात पर कार चालक दीपक उपाध्याय ने बीच सड़क गाड़ी रोक ली और दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हाथापाई तक पहुंच गया। आरोप है कि इसी दौरान दीपक ने जेब से पिस्टल जैसी दिखने वाली वस्तु निकालकर सौरभ की कनपटी पर तान दी और गोली मारने की धमकी दी। बीच बाजार हथियार देख राहगीरों में दहशत फैल गई। सूचना पर गांधीपार्क पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर हथियार जब्त किया। थाने में जांच के दौरान पता चला कि वह प्लास्टिक की टॉयगन थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। सीओ द्वितीय धनंजय सिंह ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर नकली पिस्टल दिखाकर दहशत फैलाने और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने के आरोप में आरोपी का शांतिभंग की धाराओं में चालान किया गया है।

Aligarh News: नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा, शादी का झांसा देकर ले गया था बहला-फुसलाकर

अलीगढ़ के विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कोर्ट संख्या-02 ने एक नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी देवेंद्र उर्फ दीपू को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की सजा सुनाई है। अदालत ने 20,000 रुपये अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माने की राशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में प्रदान की जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 20 दिसंबर 2024 की है। थाना टप्पल क्षेत्र के वादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर से सामान लेने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। खोजबीन के दौरान पता चला कि दीपू उसे शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले गया है।

नाबालिग घर से सामान लेने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। खोजबीन के दौरान पता चला कि दीपू उसे शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले गया है। आरोपी ने पीड़िता को नाबालिग होने के बावजूद ब्लैकमेल किया, उसके फोटो वायरल करने की धमकी दी और लंबे समय तक उसका यौन शोषण किया।

सुनवाई के दौरान न्यायाधीश हरेन्द्र कुमार ओझा ने पाया कि आरोपी ने पीड़िता को नाबालिग होने के बावजूद ब्लैकमेल किया, उसके फोटो वायरल करने की धमकी दी और लंबे समय तक उसका यौन शोषण किया। इसी आधार पर उसे दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई।

अतिक्रमण हटाने को लेकर अलीगढ़ नगर निगम टीम और दुकानदारों के बीच हुई मारपीट-हंगामा

अलीगढ़ के थाना बन्ना देवी स्थित बाराद्वारी चौराहे पर अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम टीम पर दुकानदारों ने हमला किया। दुकानों का सामान हटाने को लेकर हुए इस हमले में कर्मचारी गौरव पर डीजल डालकर जलाने का प्रयास हुआ। कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई। नगर निगम ने दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: दो आरोपियों को रिमांड पर लेकर जेल से निकली पुलिस

पूछताछ में खुल सकते हैं कई राज

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के दो आरोपियों को रिमांड पर लेकर पुलिस जेल से निकल गई है। इनसे पूछताछ में कई राज खुल सकते हैं अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस बुधवार सुबह जिला जेल से आरोपी रमाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव को 14 घंटे की कस्टडी रिमांड के लिए लेकर निकल गई। सुबह करीब 8:10 बजे पुलिस टीम जिला जेल पहुंची। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को अपने साथ ले गई। इसके बाद उन्हें पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद पुलिस लाइन परिसर में दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ होगी। पूछताछ के आधार पर उनकी निशानदेही पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी की जाएगी। इस दौरान पुलिस लाइन के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा।

अब तक नगदी, आभूषण तथा दो चार पहिया वाहन बरामद

पुलिस अब तक चार आरोपियों से कस्टडी रिमांड पर पूछताछ कर चुकी है और उनकी निशानदेही पर नगदी, आभूषण तथा दो चार पहिया वाहन बरामद कर चुकी है। रमाशंकर मिश्रा के पास से पहले करीब सात लाख रुपये बरामद हुए थे, जबकि गणना प्रभारी रहे सुभाष श्रीवास्तव के पास से अब तक कोई नकदी बरामद नहीं हुई है।

पुलिस ने सात दिन की मांगी थी रिमांड

बताते चलें कि अदालत ने आरोपी रमाशंकर मिश्रा और गढ़ना प्रभारी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव की 14 घंटे की पुलिस रिमांड मंजूर की है। विवेचक आशुतोष तिवारी ने कोर्ट से सात दिन की पुलिस रिमांड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने 14 घंटे की रिमांड स्वीकृत की। अब पुलिस दोनों आरोपियों को कस्टडी में ले चुकी है, इनसे पूछताछ करेगी।

यूपी में भीषण हादसा:

पुलिया से टकराई तेज रफ्तार कार; सिपाही समेत तीन की मौत, दो की हालत नाजुक

रायबरेली में तेज रफ्तार कार पुलिया से टकरा गई। हादसे में सिपाही समेत तीन की मौत हो गई। जबकि, दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है यूपी के रायबरेली में तेज रफ्तार कार पुलिया से टकरा गई। हादसे में कार सवार सिपाही सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा बछरावां कोतवाली क्षेत्र के खैरानी गांव के पास हुआ।

बुलंदशहर में डबल मर्डर:

15 मिनट तक दो पक्षों में ताबड़तोड़ फायरिंग और पथराव, दोनों गुटों के दो लोगों की मौत

यूपी के बुलंदशहर जिले में लेनदेन के विवाद में दो पक्षों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। फायरिंग में दोनों पक्षों के दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला। एसएसपी, सिटी सीओ भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फायरिंग और पथराव के बाद गांव में भारी पुलिस बल और पीएसी को तैनात किया गया है।बुलंदशहर के सिकंदराबाद कोतवाली इलाके के गांव निजामपुर में लेनदेन के विवाद में मंगलवार रात दो पक्षों में फायरिंग हो गई। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ फायरिंग और पथराव किया गया। करीब 15 मिनट तक दोनों पक्षों की ओर से फायरिंग होती रही।फायरिंग से आसपास भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाल। वहीं, फायरिंग में एक पक्ष के सोनू 40 वर्ष व दूसरे पक्ष के अजब सिंह को गोली लगने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। गांव में शांति व्यवस्था बनाने के लिए भारी पुलिस बल के अलावा पीएसी बल भी तैनात किया गया है।कोतवाली इलाके के गांव निजामपुर निवासी सोनू और अजब सिंह के परिवार गांव में अंदर रहते हैं। गांव के बाहर से सिकंदराबाद दनकौर मार्ग होकर गुजर रहा है। ग्रामीणों ने गांव के बाहर दनकौर मार्ग पर आवास में दुकान बना रखी है।पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों में लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा है। जांच के दौरान प्रकाश में आया कि रात में दोनों पक्षों के लोगों की फोन पर एक-दूसरे से बात हुई। इस दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। जिसके बाद एक पक्ष के लोग स्विफ्ट कार में, दूसरे पक्ष के लोग फॉर्च्यूनर कार में सवार होकर गांव के बाहर दनकौर रोड पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ये बताया कि रात करीब 11 बजे कार से गांव के बाहर दनकौर रोड पर पहुंचे और दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे की कार में आमने-सामने से टक्कर मार दी, इसके बाद कार सवार दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।करीब 15 मिनट तक फायरिंग होती रही। फायरिंग से आसपास अफरा-तफरी मच गई सड़क किनारे रहने वाले लोगों ने अपनी दुकानों के शटर गिरा दिए। मार्ग से होकर गुजरने वाले वाहन चालकों ने भी अपने वाहनों को रोक दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर पथराव भी किया।

फायरिंग में कई लोग हुए घायल

सूचना पर निजामपुर चौकी पुलिस के अलावा कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और पुलिस ने स्थिति को संभाला। फायरिंग के दौरान एक पक्ष के सोनू व दूसरे पक्ष के अजब सिंह को गोली लगने से वह घायल हो गए। वहीं, अजब सिंह पक्ष के अरविंद समेत दो लोग घायल हो गए। लोगों ने अजब सिंह और घायलों को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहीं सोनू को परिजनों ने दादरी के नवीन हॉस्पिटल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान सोनू व अजब सिंह की मौत हो गई।दोनों पक्षों में फायरिंग की सूचना पर एसएसपी दिनेश कुमार सिंह एसपी सिटी, अभिषेक प्रताप अजय, एसडीएम दिनेशचंद्र, सीओ दीपक कुमार तिवारी कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। बिखरे पड़े थे जूते-चप्पल फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। घटनास्थल पर ईंट के टुकड़े, पिस्टल, 315 बोर के खोखे, 12 बोर के कारतूस बिखरे हुए पड़े थे। वहीं जूते-चप्पल भी बिखरे हुए पड़े थे।एसपी सिटी एसडीएम ने गांव में किया कैंप घटना एक ही गांव के दो पक्षों के बीच होने के चलते गांव में तनाव का माहौल है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए गांव में भारी पुलिस बल के अलावा पीएसी भी तैनात की गई है। वहीं एसपी सिटी अभिषेक प्रताप अजय, एसडीएम दिनेश चंद्र गांव में कैंप किए हुए हैं और पल-पल के हालात पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी घटना से निपटने के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।कोट लेनदेन के विवाद में गांव निजामपुर निवासी सोनू व अजब सिंह पक्ष में फायरिंग किए जाने का मामला प्रकाश में आया है

Himachal News:

अब नदियों के इतिहास की बुनियाद पर बनेंगे भविष्य के पुल, 70 वर्षों के बाद आंकड़ों का होगा अध्ययन

Himachal Pradesh New Bridge Design Policy: हिमाचल प्रदेश में अब नए पुलों का डिजाइन 70 वर्षों के बाढ़ आंकड़ों और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन के आधार पर तैयार किया जाएगा। सरकार अगले 100 वर्षों की संभावित प्राकृतिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक से पुल बनाएगी। प्रदेश में 23 नए पुलों का निर्माण प्रस्तावित है, जिनके लिए केंद्र सरकार से लगभग 200 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी।हिमाचल प्रदेश में अब नदियों का इतिहास जानकर ही पुलों का डिजाइन तैयार होगा। राज्य में बनने वाले नए पुलों का डिजाइन आगामी 100 वर्षों की संभावित जरूरतों और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। इसके लिए पिछले करीब 70 वर्षों के बाढ़ के आंकड़ों का अध्ययन किया जाएगा, जिससे पुलों की नींव और संरचना भविष्य में आने वाली बड़ी आपदाओं का सामना कर सकें। पहले हिमाचल में पुलों के डिजाइन अगले 60 साल तक ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाते रहे हैं।लोक निर्माण विभाग ने नए पुलों के निर्माण के लिए विस्तृत तकनीकी मानकों पर काम शुरू कर दिया है। किसी भी पुल का डिजाइन तैयार करने से पहले संबंधित क्षेत्र की भू-तकनीकी जांच, नदी के बहाव क्षेत्र, उच्चतम बाढ़ स्तर (हाई फ्लड लेवल), मिट्टी की क्षमता और अन्य तकनीकी पहलुओं का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा। इन सभी रिपोर्टों के आधार पर ही पुल की नींव और ऊंचाई तय की जाएगी। हाल के वर्षों में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं ने पुलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।कई स्थानों पर तेज बहाव और बाढ़ के कारण पुल बह गए या उनकी नींव कमजोर हो गई। इन्हीं अनुभवों को देखते हुए सरकार ने भविष्य में बनने वाले पुलों के लिए अधिक मजबूत और वैज्ञानिक डिजाइन अपनाने का निर्णय लिया है। अब केवल पुल बनाना ही उद्देश्य नहीं होगा, बल्कि उन्हें भविष्य की चरम प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करना प्राथमिकता रहेगी।ऐसे में पुराने मानकों के बजाय आधुनिक इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर पुलों का निर्माण किया जाएगा। इस व्यवस्था से पुलों की आयु बढ़ेगी, रखरखाव पर होने वाला खर्च कम होगा और आपदा के समय यातायात बाधित होने की घटनाओं में भी कमी आएगी। इस नीति को प्रदेश में आपदारोधी आधारभूत ढांचे की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

UP: यूपी के 16 हजार स्कूलों पर बड़ा खुलासा,

कहीं एक शिक्षक तो कहीं पूरा स्कूल बंद; HC के आदेश के बाद सूची जारी

यूपी के 16 हजार स्कूलों पर बड़ा खुलासा हुआ है। इनमें कहीं एक शिक्षक है तो कहीं पूरा स्कूल बंद है। HC के आदेश के बाद बेसिक शिक्षा परिषद ने वेबसाइट पर इनकी सूची जारी की है। आरटीई-पीटीआर के अनुसार, शिक्षकों की कमी का ब्योरा भी है।उत्तर प्रदेश में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के करीब 16 हजार से ज्यादा विद्यालय या तो एकल शिक्षक वाले हैं या फिर बंद हैं। बेसिक शिक्षा परिषद ने हाईकोर्ट के निर्देश पर हाल ही में एकल व बंद विद्यालयों की 1300 से अधिक पेज की सूची जारी की है।

परिषदीय विद्यालयों में बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से तबादला प्रक्रिया की जा रही थी। इस बीच मामला हाईकोर्ट में चला गया। जहां हाईकोर्ट ने हर विद्यालय में दो-दो शिक्षकों की तैनाती के निर्देश दिए। साथ ही प्रदेश के विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों के साथ विभिन्न अन्य सूचनाएं भी मांग लीं। इसके क्रम में परिषद की ओर से एक-एक कर सूचनाएं वेबसाइट पर जारी की जा रही हैं।इसके तहत जहां प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लगभग 30 हजार शिक्षक सरप्लस घोषित किए गए हैं। वहीं एकल व बंद विद्यालयों की संख्या प्राथमिक स्तर 10 व उच्च प्राथमिक स्तर पर लगभग 06 कुल 16 हजार है। इसके साथ ही परिषद ने गैर सरप्लस शिक्षक वाले विद्यालयों की सूची, प्राथमिक विद्यालयों में आरटीई-पीटीआर के अनुसार कितने शिक्षकों की कमी है और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में आरटीई-पीटीआर के अनुसार कितने शिक्षकों की कमी है, इसकी भी सूची जारी की है।हालांकि इनकी स्पष्ट संख्या परिषद ने नहीं दी है। परिषद की ओर से इस मामले की 20 जुलाई को हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई की तैयारी की जा रही है। इसमें वह इन सभी सूचनाओं का एफीडेविड देगा। इसके बाद तबादले से जुड़ी आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें इन एकल व बंद विद्यालयों में प्राथमिकता पर शिक्षकों की तैनाती की जाएगी।

पंजाब में बर्बर हत्या:

आधी रात घर में घुसे नकाबपोश, फिर खेला मौत का खेल; बेटी बोली-काट दिया पिता का सिर

मेवा सिंह 2020 में बेअदबी के आरोप में जेल जा चुका है। सात माह पहले ही वह जमानत पर बाहर आया था। परिवार ने किसी भी रंजिश से मना किया है। ऐसे में पुलिस के सामने बड़ा सवाल ये है कि आखिर मेवा सिंह का इतनी क्रूरता से कत्ल क्यों किया गया।फतेहगढ़ साहिब के गांव तुरां में मंगलवार तड़के बेअदबी के आरोपी मेवा सिंह (45) की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई। नकाबपोश हमलावरों ने मेवा सिंह की पत्नी और बेटी के सामने ही तलवार से उसका सिर धड़ से अलग कर दिया गया। हमलावर आधी रात के बाद घर में घुसे और सीधे मेवा सिंह पर हमला बोल दिया। पत्नी और बेटी बचाने पहुंचीं तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। दोनों ने कमरे में बंद होकर जान बचाई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच हुई। मेवा सिंह वॉशरूम के लिए कमरे से बाहर निकला था। इसी दौरान घर में घुसे हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। मृतक की बेटी ने बताया कि पिता की चीख सुनकर उसकी और मां की आंख खुल गई। दोनों बाहर पहुंचे तो दो नकाबपोश हमलावर मेवा सिंह पर तेजधार हथियारों से हमला कर रहे थे।

पड़ोसियों की आहट सुनकर भागे

जब उन्होंने डंडा लेकर बचाने की कोशिश की तो हमलावर उनकी ओर भी बढ़े। इसके बाद दोनों ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया और पड़ोसियों को फोन किया। पड़ोसियों के पहुंचने की आहट मिलते ही हमलावर दीवार फांदकर फरार हो गए।

बेटी बोली-किसी से रंजिश नहीं थी

बेटी ने बताया कि हमलावरों ने मुंह ढका हुआ था और उनके हाथों में तलवार जैसे तेजधार हथियार थे। उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। परिवार की किसी से रंजिश नहीं थी और न ही पहले किसी विवाद की जानकारी है।

सात माह पहले मिली थी जमानत

मेवा सिंह के खिलाफ अक्तूबर 2020 में गांव तुरां स्थित गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के आरोप में मामला दर्ज हुआ था। वह दो बार जमानत पर जेल से बाहर आया था। करीब सात महीने पहले ही उसे जमानत मिली थी। मामले की सुनवाई अभी अदालत में चल रही थी।

Explainer: ब्रिटेन के साथ भारत का FTA प्रभावी हमें टैरिफ से क्या छूट मिलेगी, UK की कौन सी चीजें सस्ती होंगी?

भारत और ब्रिटेन के बीच जो व्यापार समझौता आज से लागू हो रहा है, वह आखिर होता क्या है? भारत और ब्रिटेन के बीच इस समझौते के बाद किन-किन वस्तुओं के निर्यात और आयात में बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है? किन सेक्टरों को इससे सबसे ज्यादा फायदा होने की संभावना है? इसके अलावा भारत-ब्रिटेन के रिश्ते इससे किस तरह प्रभावित होंगे? आइये जानते हैं...

भारत और ब्रिटेन के बीच पिछले साल जिस मुफ्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सहमति बनी थी, वह आज (15 जुलाई 2026) से प्रभावी हो रहा है। बीते साल जुलाई में अपने दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के तत्कालीन पीएम किएर स्टार्मर के साथ इससे जुड़े आधारभूत समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। अब इसके लागू होने के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी होने की संभावना है। भारत और ब्रिटेन के बीच जो व्यापार समझौता आज से लागू हो रहा है, वह आखिर होता क्या है? भारत और ब्रिटेन के बीच इस समझौते के बाद किन-किन वस्तुओं के निर्यात और आयात में बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है? किन सेक्टरों को इससे सबसे ज्यादा फायदा होने की संभावना है? इसके अलावा भारत-ब्रिटेन के रिश्ते इससे किस तरह प्रभावित होंगे? आइये जानते हैं...

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए मंजूर हुआ तो भारत को किस तरह होगा फायदा?

रिपोर्ट्स की मानें तो भारत को एफटीए के तहत सबसे बड़ा फायदा निर्यात क्षेत्र में मिलेगा। भारत का निर्यात आने वाले कुछ वर्षों में 10 से 12 अरब डॉलर (करीब 86 हजार करोड़ से 1.1 लाख करोड़ रुपये) तक बढ़ सकता है। 1. ब्रिटेन को होने वाले 99% निर्यात पर शून्य होगा टैरिफ

ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समझौते से भारत की अधिकतर वस्तुओं-सेवाओं पर आयात शुल्क खत्म कर दिया जाएगा। इससे भारत के निर्यात सेक्टर को ब्रिटेन में सामान बेचने के जबरदस्त मौके मिलेंगे।

भारत में अभी इन उद्योगों पर ब्रिटेन की तरफ से 4 से 16 प्रतिशत तक टैरिफ लगता है।

2. सेवा क्षेत्र को मिलेगी बढ़ोतरी

एफटीए के जरिए भारत के सेवा क्षेत्र को भी काफी फायदा मिलने की संभावना है। दरअसल, भारत वस्तुओं के साथ सेवाओं का बड़ा प्रदाता है। खासकर पेशेवर सेक्टर्स में, जैसे वित्तीय सेवाओं में, आईटी सेक्टर में और शिक्षा क्षेत्र में। भारत के सेवा क्षेत्र के लिए ब्रिटेन का लगातार बढ़ता वित्तीय और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर बाजार है।

3. श्रम आधारित सेक्टरों को फायदा

वस्तुओं और सेवा क्षेत्र के साथ-साथ भारत के श्रम आधारित सेक्टर को भी ब्रिटेन में जबरदस्त फायदा मिलेगा। योग प्रशिक्षक, शेफ और अन्य स्वतंत्र कर्मियों को एफटीए के जरिए सेवाओं में खासी छूट और नए मौके मिलेंगे।

4. ब्रिटेन में सामाजिक सुरक्षा योगदान से मिलेगी छूट

दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते में एक अहम नियम यह रखा गया है कि इससे ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय कर्मियों को सामाजिक सेवा के लिए किए जाने वाले भुगतान से तीन साल की छूट मुहैया कराई जाएगी। इससे भारत के उन उद्योगों और कंपनियों को फायदा मिलेगा, जो कि ब्रिटेन में पहले से ही काम कर रहे हैं या भविष्य में ब्रिटेन में उद्योग खड़ा करना चाहते हैं। इससे ब्रिटिश बाजार में ही भारत की कंपनियों को प्रतियोगिता देने में भी मदद मिलेगी। इस छूट से भारतीय कंपनियों को ब्रिटेन में हर साल अनुमानित 40 अरब रुपये तक बचाने में मदद मिलेगी।

भारत से मुक्त व्यापार समझौते से ब्रिटेन को कैसे होगा लाभ?

दूसरी तरफ भारत से एफटीए के जरिए ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को सीधे तौर पर हर साल करीब 4.8 अरब पाउंड (56 हजार करोड़ रुपये) का फायदा होने का अनुमान है। माना जा रहा है कि 2040 तक ब्रिटेन की जीडीपी भी इस समझौते के जरिए तेजी से बढ़ सकती है।

1. ब्रिटेन के 90 फीसदी उत्पादों-सेवाओं को टैरिफ से मिलेगी छूट

भारत ने ब्रिटेन से आयात होने वाले करीब 90 फीसदी उत्पादों और सेवाओं पर टैरिफ में बड़ी कमी करने का फैसला किया है। हालांकि, यह कटौती चरणबद्ध तरीके से होगी। इनमें सबसे बड़ी छूट ब्रिटिश स्कॉच व्हिस्की को मिलेगी, जिसे एफटीए लागू होने के ठीक बाद भारत में 150 फीसदी टैरिफ से सीधे 75 फीसदी टैरिफ के वर्ग में पहुंचा दिया जाएगा। इतना ही नहीं, अगले एक दशक में यह टैरिफ घटाते हुए 40 फीसदी पर पहुंचा दिया जाएगा। यानी ब्रिटिश स्कॉच-व्हिस्की भारत में काफी सस्ती हो जाएगी।

दूसरी तरफ ब्रिटेन की कारें भी भारत में सस्ती होने का अनुमान है। दरअसल, अभी भारत की तरफ से ब्रिटिश कारों पर 100 फीसदी से ज्यादा टैरिफ लगाया जाता है। हालांकि, एफटीए के बाद यह टैरिफ 10 फीसदी तक आ जाएगा। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले मेडिकल उपकरण, कॉस्मेटिक्स, फार्मा उत्पादन, एयरक्राफ्ट के पार्ट्स और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को टैरिफ में छूट मिलेगी और ब्रिटिश कंपनियां भारत में नया बाजार तलाशने में सफल होंगी। ब्रिटेन से निर्यात वाले कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे- भेड़, सैल्मन, चॉकलेट और बिस्किट पर भी भारत टैरिफ को कम करेगा। ब्रिटिश सरकार का अनुमान है कि इन चीजों पर कम टैरिफ के जरिए ब्रिटेन के निर्यात से हर साल 40 करोड़ पाउंड (4500 करोड़ रुपये) तक बचा लेंगे, जो कि बाद में 90 करोड़ पाउंड (10,500 करोड़) तक पहुंच जाएगा।

2. भारत के गैर-संवेदनशील सेक्टर्स में निवेश कर सकेगा ब्रिटेन

भारत की तरफ से ब्रिटेन के निर्यातकों को असंवेदनशील क्षेत्रों में एंट्री का मौका दिया जाएगा। यानी ब्रिटिश कंपनियां अब भारत के केंद्रीय और राज्य आधारित संस्थानों में टेंडर भर सकेंगी।

3. ब्रिटिश कंपनियों को भारत में मिलेगी आसान एंट्री

इसके अलावा ब्रिटेन के वित्तीय, निर्माण, टेलीकॉम और पेशेवर सेवाओं को भी भारत में गारंटी के साथ पहुंच का प्रावधान एफटीए में किया गया है। माना जा रहा है कि सबसे बड़ा फायदा ब्रिटेन के बैंकिंग और बीमा सेक्टर को होगा, जो कि अपने कार्यक्रमों से भारत की बड़ी आबादी को लुभा सकेंगी। इसके अलावा ब्रिटेन की वकीलों की फर्म्स और अकाउंटिंग फर्म भी भारत के बाजार में एंट्री ले सकती हैं।

4. भू-राजनीतिक और कूटनीतिक फायदे

एफटीए के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच भू-राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध बढ़ने की संभावनाएं हैं। दोनों ही देश आगे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा ब्रिटेन को चीन की तरह ही भारत का बड़ा बाजार मिल रहा है, जो कि चीन पर उसकी निर्भरता को कम करेगा।

क्या संवेदनशील सेक्टर्स को बचाने में सफल रहेगा भारत?

भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते की सबसे खास बात यही है कि इसमें भारत ने अपने कृषि क्षेत्र को ब्रिटेन की पहुंच से दूर रखा है। यानी ब्रिटेन की कंपनियां फिलहाल भारत के बाजार में अपने उत्पाद नहीं उतार पाएंगी। खासकर डेयरी उत्पाद, सेब, चीज, ओट्स, खाद्य तेल से जुड़े सेक्टर्स को एफटीए से बाहर रखा गया है।

इसके अलावा भारत ने अपने प्लास्टिक, हीरे, चांदी, स्मार्टफोन, टेलीविजन कैमरा ट्यूब्स, ऑप्टिकल फाइबर और केबल्स के क्षेत्र को समझौते में शामिल नहीं किया है।

कुछ और संवेदनशील क्षेत्रों को भारत ने सीधे तौर पर एफटीए से बाहर तो नहीं रखा, लेकिन इन क्षेत्रों में टैरिफ हटाने या कम करने की अवधि को काफी ज्यादा रखा है। इनमें पेट्रोलियम उत्पाद, सेरेमिक्स, कई तरह के केमिकल, एयरक्राफ्ट इंजन और इंजीनियरिंग से जुड़े उपकरणों पर टैरिफ शामिल हैं।

दोनों देशों को इस एफटीए से कितने फायदे का अनुमान?

भारत और ब्रिटेन के बीच 2024 तक द्विपक्षीय व्यापार करीब 42.6 अरब पाउंड (करीब पांच लाख करोड़ रुपये) का रहा। इस एफटीए के लागू होने के बाद दोनों देश अब व्यापार को 2040 तक हर साल 25.5 अरब पाउंड बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। 2030 तक दोनों के बीच का व्यापार करीब 120 अरब पाउंड तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई है।

'One Nation One Election':वन नेशन वन इलेक्शन पर गरमाई यूपी की राजनीति, पक्ष- विपक्ष में छिड़ी जंग!

भाजपा नेता ने कांग्रेस पर राजनीतिक कारणों से इस प्रस्ताव का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस को 'वन नेशन-वन इलेक्शन' से कोई वास्तविक आपत्ति है तो उसे स्पष्ट रूप से यह बताना चाहिए कि इसके विरोध से देश को क्या लाभ होगा। गौरव वल्लभ ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या कांग्रेस केवल इसलिए इस प्रस्ताव का विरोध कर रही है क्योंकि इसे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार लेकर आई है। उनके अनुसार किसी भी नीति का मूल्यांकन उसके संभावित लाभ और चुनौतियों के आधार पर होना चाहिए, न कि उसे पेश करने वाली पार्टी के आधार पर।

इस तरह 'वन नेशन-वन इलेक्शन' का मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बना हुआ है। एक ओर कांग्रेस इसे संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए इसकी कमियों पर चर्चा की मांग कर रही है, वहीं भाजपा इसे चुनावी सुधार, खर्च में कमी और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने वाला कदम बता रही है।

'वन नेशन-वन इलेक्शन' (एक देश, एक चुनाव) के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। इस विषय पर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए प्रस्ताव और उससे जुड़े विधेयक पर विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच मतभेद लगातार सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक के संदर्भ में मीडिया से बातचीत करते हुए इस प्रस्ताव पर अपनी पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि 'एक देश, एक चुनाव' देश के हित में नहीं है। अजय राय ने कहा कि भारत की संघीय व्यवस्था संविधान की मूल भावना पर आधारित है और यही व्यवस्था देश को मजबूती प्रदान करती है। उनके अनुसार समय के साथ सुधार और बदलाव आवश्यक हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि पूरी चुनावी व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के प्रस्ताव में कई कमियां हैं, जिन्हें दूर किए बिना इसे लागू करना उचित नहीं होगा। उनका कहना था कि इस व्यवस्था का राज्यों की स्वायत्तता, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय मुद्दों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने अजय राय के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू होने से चुनावों पर होने वाला खर्च 80 से 90 प्रतिशत तक कम हो सकता है। उनके अनुसार बार-बार होने वाले चुनावों से सरकारी संसाधनों, प्रशासनिक मशीनरी और सुरक्षा बलों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, जबकि एक साथ चुनाव होने से समय और धन दोनों की बचत होगी। गौरव वल्लभ ने यह भी कहा कि इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा सरकारें बार-बार चुनावी आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं से भी बच सकेंगी। आने वाले समय में इस मुद्दे पर संसद और संयुक्त संसदीय समिति में होने वाली चर्चा के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच बहस और तेज होने की संभावना है।

Rahul Gandhi Dehradun Rally: राहुल के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पर विवाद,जमकर भड़के कांग्रेसी नेता!

देहरादून के परेड ग्राउंड में 17 जुलाई को प्रस्तावित कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक विवाद गहरा गया है। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू होने से पहले ही स्थल की अनुमति को लेकर नया विवाद सामने आ गया, जिसके बाद कांग्रेस और प्रशासन आमने-सामने आ गए। कांग्रेस का कहना है कि उसने परेड ग्राउंड में 15 से 17 जुलाई तक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए समय रहते नगर निगम से आवेदन किया था और निर्धारित शुल्क भी जमा कर दिया था। इसके बाद नगर निगम ने आवश्यक शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति भी जारी कर दी थी। कांग्रेस के अनुसार, अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम की तैयारियों के तहत मंच, पंडाल और अन्य आवश्यक सामग्री लेकर ट्रक परेड ग्राउंड पहुंचे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें मैदान के भीतर प्रवेश करने से रोक दिया। इससे कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी फैल गई और देर रात बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता परेड ग्राउंड पहुंच गए। उन्होंने ट्रकों को मैदान के अंदर जाने देने की मांग को लेकर नारेबाजी की और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया, जिससे पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई।

हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए किसी बड़े विवाद को नहीं होने दिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम और प्रशासन भारतीय जनता पार्टी के दबाव में काम कर रहे हैं तथा जानबूझकर राहुल गांधी के कार्यक्रम में बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं।

US Iran Conflict: ईरान पर अमेरिका का बड़ा आर्थिक प्रहार, तेल निर्यात नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक ठिकाने बैन

ईरान के अवैध तेल निर्यात पर अमेरिका ने कड़ा प्रहार करते हुए 50 से अधिक ठिकानों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। पूरी रिपोर्ट पढ़ें और जानें कि वैश्विक तेल बाजार और जलमार्ग सुरक्षा पर इसका क्या असर होगा। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने आर्थिक हमलों को और तेज कर दिया है। अमेरिकी वित्त विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' (ओएफएसी) ने ईरान के अवैध तेल परिवहन और प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाले एक बड़े नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया है। इस कार्रवाई के तहत ईरान के ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज मोहम्मद हुसैन शमखानी के नियंत्रण वाले समुद्री व्यापार नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक लोगों, कंपनियों और जहाजों को प्रतिबंधित सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाल दिया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों और बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजार और समुद्री सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रतिबंधों के दायरे में कौन-कौन आया है?

अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा घोषित इन दंडात्मक उपायों में मुख्य रूप से मोहम्मद हुसैन शमखानी के व्यापक समुद्री व्यापार तंत्र को निशाना बनाया गया है। इस कार्रवाई के अंतर्गत कुल:

- छह लोगों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिनमें असगर अघिली देहकोर्डी और बेहजाद मोघदास जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।
- 24 कॉरपोरेट कंपनियों और 20 समुद्री जहाजों पर भी कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये सभी आरोपी वित्तीय ब्रोकरों, लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस, समुद्री प्रबंधकों और विदेशों में स्थित शेल कंपनियों के एक बेहद जटिल नेटवर्क के जरिए व्यापारिक प्रतिबंधों को बाईपास कर रहे थे। इस कार्रवाई के बाद, इन प्रतिबंधित पक्षों की अमेरिकी कानूनी अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी संपत्तियों या कानूनी हितों को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक कर दिया गया है।

अमेरिका ने यह सख्त कदम क्यों उठाया है?

अमेरिकी प्रशासन का साफ तौर पर मानना है कि ईरान का यह अवैध तेल नेटवर्क उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना हुआ है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के अनुसार, "ईरानी शासन धोखे और फरेब पर जीवित है, और शमखानी का यह नेटवर्क उसके सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाले इंजनों में से एक है।" बेसेंट ने जोर देकर कहा कि इन प्रतिबंधों का मुख्य उद्देश्य उस वित्तीय जीवन रेखा को काटना है जो अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों को हवा देती है।

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हमले बढ़े हैं, जिसका आरोप वाशिंगटन ने सीधे तौर पर तेहरान पर लगाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि यह कार्रवाई शमखानी के अवैध शिपिंग और प्रतिबंधों से बचने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए तैयार की गई है, जिसके पैसे से व्यापारिक जहाजों पर हमलों की फंडिंग की जाती थी।

इस कार्रवाई का आर्थिक और वैश्विक असर क्या होगा?

इस कड़े कदम के वैश्विक स्तर पर दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं:

वित्तीय तंत्र पर चोट: शेल कंपनियों और प्रॉक्सी सेटअप का भंडाफोड़ होने से ईरान के लिए अपने तेल को विदेशी बाजारों में बेचना और उसका पैसा वापस तेहरान लाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

ऊर्जा बाजार में हलचल: ईरान के तेल शिपिंग नेटवर्क पर सीधी चोट से वैश्विक तेल आपूर्ति और इसकी कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर लग सकता है 100% तक टैरिफ, सूची में भारत भी शामिल

अमेरिकी सीनेट में दोनों प्रमुख दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक) के सांसदों ने रूस के खिलाफ एक सख्त आर्थिक प्रतिबंध विधेयक पेश किया है, जिसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है। इस नए संशोधित मसौदे के तहत रूस से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खरीद जारी रखने वाले देशों पर अधिकतम 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की आर्थिक ताकत को कमजोर करने के उद्देश्य से लाए गए इस विधेयक के दायरे में भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे शीर्ष पांच तेल खरीदार देशों को रखा गया है। हालांकि, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति को विशेष परिस्थितियों में राहत देने का अधिकार भी शामिल है और साथ ही रूस के 'शैडो फ्लीट' (गुप्त तेल टैंकरों) पर भी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए रियायती दरों पर रूसी तेल का आयात बढ़ाया है। भारत हमेशा से यह स्पष्ट करता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी बाहरी दबाव में नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होती है। चूंकि यह अभी केवल एक प्रस्तावित विधेयक है, इसलिए इसे कानून बनने के लिए प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रपति की मंजूरी जैसी कई संवैधानिक प्रक्रियाओं से गुजरना होगा।

India-UK CETA: भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता आज से लागू, 99% भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क; क्या होगा सस्ता

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता लागू होने के साथ दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में नया चरण शुरू हो गया है। इस व्यवस्था के तहत अधिकांश भारतीय निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ब्रिटेन से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क चरणबद्ध तरीके से घटेगा। इससे उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र, एमएसएमई और पेशेवरों को नए अवसर मिलने की उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) आज से लागू हो गया है। इसे पिछले कुछ वर्षों में भारत के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौतों में से एक माना जा रहा है। सरकार का दावा है कि इससे किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को जबरदस्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है। सीईटीए के तहत भारत और ब्रिटेन सैकड़ों उत्पादों पर आयात शुल्क कम या समाप्त करेंगे। इसके अलावा डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, एमएसएमई, निवेश, बौद्धिक संपदा, श्रम, पर्यावरण और सेवा क्षेत्र से जुड़े नियमों को भी सरल बनाया गया है। समझौते में कुल 30 अध्याय शामिल हैं, जिससे इसे भारत का सबसे व्यापक एफटीए माना जा रहा है।

भारत-यूके सीईटीए केवल टैरिफ घटाने वाला समझौता नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, सेवाओं और रोजगार के नए अवसरों का व्यापक ढांचा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, यह भारत के व्यापारिक इतिहास का एक अहम पड़ाव है। इससे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं कम होंगी। भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों, उद्योगों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप तथा युवा पेशेवरों को नए अवसर मिलेंगे।इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क घटाया जाएगा। इससे कीमतों में कमी आएगी। पहली बार ब्रिटेन की कंपनियों को भारत सरकार की करीब 40 हजार उच्च मूल्य वाली निविदाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परिवहन, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कामकाज की गुणवत्ता में सुधार होगा।

Gold Silver Price: सोना 1500 रुपये टूटा, 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम; चांदी 2000 रुपये फिसली

पश्चिम एशिया में बढ़ती अनिश्चितताओं के कारण दिल्ली में सोने की कीमतों में 1,500 रुपये की गिरावट आई, जिससे यह 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी भी 2,000 रुपये गिरकर 2.35 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मुद्रास्फीति की चिंताएं इस गिरावट का मुख्य कारण हैं। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,500 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ती अनिश्चितताओं के कारण यह 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी भी 2,000 रुपये गिरकर 2.35 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।स्थानीय बाजार के व्यापारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 1,500 रुपये घटकर 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। शुक्रवार को यह 1,48,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 2,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। पिछले सत्र में सफेद धातु 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।व्यापारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। इससे मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ी हैं और अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है। इन सभी कारकों ने कीमती धातुओं पर दबाव डाला है।

व्यापारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। इससे मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ी हैं और अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है। इन सभी कारकों ने कीमती धातुओं पर दबाव डाला है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोरी के कारण सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई।सौमिल गांधी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव बढ़ने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान की चिंताएं बढ़ी हैं। इससे तीसरी तिमाही में तेल बाजार की स्थितियां और सख्त होने की आशंका है। मीराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज के प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ी हैं। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने की उम्मीदें भी बढ़ी हैं।

The Bonus Market Update:अमेरिकी मुद्रास्फीति में नरमी

भारतीय शेयर बाजार में बढ़त, सेंसेक्स 550 अंक उछला

बाजार में यह तेजी क्यों आई?

भारतीय शेयर बाजार में यह उछाल अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित नरमी के कारण आया। अमेरिका में महंगाई दर धीमी होने से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम हो गई। इस खबर ने वैश्विक बाजारों में सकारात्मक माहौल बनाया। निवेशकों का भरोसा बढ़ा और उन्होंने भारतीय शेयरों में जमकर खरीदारी की।बाजार में व्यापक खरीदारी देखी गई, लेकिन कुछ क्षेत्रों ने विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। वित्तीय क्षेत्र, निजी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सबसे आगे रहे। रसायन क्षेत्र के शेयरों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई। ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट और उपभोक्ता केंद्रित क्षेत्रों ने भी बाजार को मजबूती प्रदान की। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और मीडिया जैसे कुछ क्षेत्रों ने कमजोर प्रदर्शन किया।

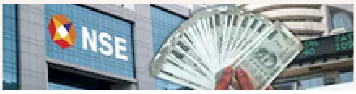

15 जुलाई 2026 को अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित नरमी के बाद भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई। सेंसेक्स 564 अंक से अधिक और निफ्टी 142 अंक से अधिक बढ़कर 24,200 के पार पहुंच गया। बैंक और वित्तीय शेयरों ने बढ़त का नेतृत्व किया। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित नरमी के बाद वैश्विक बाजारों को बढ़ावा मिला। इससे फेड की ब्याज दर में बढ़ोतरी की उम्मीदें कम हो गईं।

सेंसेक्स 564.20 (0.73%) बढ़कर 77,619.14 अंक पर पहुंच गया। निफ्टी 142.05 (0.59%) की बढ़त के साथ 24,194.10 अंक पर कारोबार करता दिखा। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांकों ने सकारात्मक रुझान दिखाया। यह बाजार में व्यापक खरीदारी का संकेत था। वित्तीय, निजी बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और रसायन क्षेत्र बढ़त में रहे। ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट और उपभोक्ता केंद्रित क्षेत्र भी मजबूत बने रहे। सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और मीडिया क्षेत्रों ने कमजोर प्रदर्शन किया। ये क्षेत्र बाजार की सकारात्मक धारणा के बीच कमजोरी के एकमात्र क्षेत्र बनकर उभरे। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे मजबूत होकर 96.10 पर पहुंच गया।

पहली तिमाही में राजस्व पहली बार ₹4,000 करोड़ के पार, चिट्ठी से लेकर पार्सल तक ने भरी बड़ी रफ्तार

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (Q1) में इंडिया पोस्ट का कुल कारोबार सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह राजस्व 3,280 करोड़ रुपये था, जो इस वर्ष की जून तिमाही में बढ़कर 4,008 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। डाक विभाग के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी वित्त वर्ष की पहली तिमाही का कारोबार 4,000 करोड़ रुपये के पार गया है। यदि पिछले पूरे वित्त वर्ष की बात करें, तो इंडिया पोस्ट ने कुल 15,500 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया था, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में दर्ज किए गए 13,218 करोड़ रुपये से काफी अधिक है।इंडिया पोस्ट मुख्य रूप से छह कार्यक्षेत्रों (वर्टिकल्स)- डाक (मेल), पार्सल, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी), डाक जीवन बीमा (पीएनआई) और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से राजस्व अर्जित करता है।

भारतीय डाक विभाग (इंडिया पोस्ट) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को घोषित किया कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही (Q1) में पहली बार 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व दर्ज किया है। इंडिया पोस्ट के आंकड़ों में यह रिकॉर्ड वृद्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आमतौर पर डाक विभाग को सबसे अधिक राजस्व वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में प्राप्त होता है। लेकिन पहली ही तिमाही में दर्ज हुई इस असाधारण प्रगति ने सरकारी डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण और बाजार में इसकी मजबूत होती पकड़ के बारे में बताता है। आधार कार्ड, केवाईसी (केवाईसी) और पासपोर्ट सेवा केंद्र जैसी नागरिक सेवाओं में सर्वाधिक 86 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई। इसका राजस्व पिछले वर्ष की जून तिमाही के 109 करोड़ रुपये से बढ़कर इस साल 203 करोड़ रुपये हो गया।ई-कॉमर्स गतिविधियों में तेजी के चलते पार्सल व्यवसाय में50 प्रतिशत का उछाल आया। पिछले साल की पहली तिमाही में यह 197 करोड़ रुपये था, जो इस साल बढ़कर 296 करोड़ रुपये हो गया।इस सेगमेंट ने 42 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। यह व्यवसाय पिछले साल के 552 करोड़ रुपये से बढ़कर इस बार 783 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

ईरान पर अमेरिका का बड़ा आर्थिक प्रहार, तेल निर्यात नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक ठिकाने बैन

ईरान के अवैध तेल निर्यात पर अमेरिका ने कड़ा प्रहार करते हुए 50 से अधिक ठिकानों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। पूरी रिपोर्ट पढ़ें और जानें कि वैश्विक तेल बाजार और जलमार्ग सुरक्षा पर इसका क्या असर होगा।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने आर्थिक हमलों को और तेज कर दिया है। अमेरिकी वित्त विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' (ओएफएसी) ने ईरान के अवैध तेल परिवहन और प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाले एक बड़े नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया है। इस कार्रवाई के तहत ईरान के ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज मोहम्मद हुसैन शमखानी के नियंत्रण वाले समुद्री व्यापार नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक लोगों, कंपनियों और जहाजों को प्रतिबंधित सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाल दिया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों और बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजार और समुद्री सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये सभी आरोपी वित्तीय ब्रोकरों, लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस, समुद्री प्रबंधकों और विदेशों में स्थित शेल कंपनियों के एक बेहद जटिल नेटवर्क के जरिए व्यापारिक प्रतिबंधों को बाईपास कर रहे थे। इस कार्रवाई के बाद, इन प्रतिबंधित पक्षों की अमेरिकी कानूनी अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी संपत्तियों या कानूनी हितों को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक कर दिया गया है।

Biz Updates: भारत और अमेरिका व्यापार समझौते में कोई चुनौती नहीं तय समय पर होंगे हस्ताक्षर

वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई चुनौती नहीं है। दोनों देशों तय समय पर इस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय के सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि अनुच्छेद 301 के तहत चल रही जांच अभी जारी है। भारत ने अमेरिकी एजेंसियों को अपना जवाब सौंप दिया है। अग्रवाल ने कहा, अनुच्छेद 301 व्यापार समझौते से अलग है, लेकिन व्यापार संबंधों को देखते समय हम सभी मुद्दों पर समग्र दृष्टिकोण अपनाते हैं। जब दोनों देश समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, तब उसकी दीर्घकालिक स्थिरता का भी ध्यान रखा जाएगा। अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 10% शुल्क के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा, वर्तमान मोस्ट फेवर्ड नेशन शुल्क व्यवस्था अभी लागू है। 10% शुल्क की अवधि 24 जुलाई को समाप्त होने वाली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। इसके बाद भारत से ब्रिटेन भेजे जाने वाले सामान पर आयात शुल्क नहीं लगेगा। यह समझौता भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। गोयल ने बताया, इसी दिन डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन एग्रीमेंट भी लागू होगा, जिससे ब्रिटेन में भारतीय पेशेवरों को बड़ा लाभ मिलेगा। पहले ब्रिटेन में पांच साल तक काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों के वेतन का 25% सामाजिक सुरक्षा अंशदान में जाता था, लेकिन उसका लाभ उन्हें नहीं मिल पाता था। अब यह राशि भारत में उनके भविष्य निधि (पीएफ) खाते में जमा होगी। व्यापार और महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ तकनीक, कृषि और दवाओं सहित कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। कनाडा भारत के लिए पोटाश, दालों और ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है, जबकि भारत कनाडा को दवाएं, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान और आईटी सेवाओं का निर्यात करता है। हालांकि तीसरे दौर में बनी सहमति के विवरण का खुलासा नहीं किया गया था, लेकिन यह बयान इस साल के अंत में मंत्री-स्तरीय जुड़ाव से पहले तकनीकी बारीकियों को सुलझाने में तेजी का संकेत देता है।

फेड का सबसे बड़ा लक्ष्य एआई के उछाल के बीच महंगाई पर लगाम', बोले केंद्रीय बैंक के प्रमुख केविन वॉर्श

क्या एआई में निवेश महंगाई बढ़ाएगा

वॉर्श ने अपने बयानों में हाल के एआई निर्माण और उभरते तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की सबसे खास विशेषता कारोबार निवेश है। इसकी तेज गति डेटा केंद्रों के निर्माण और एआई-संबंधित उपकरणों व सॉफ्टवेयर की भारी मांग को दर्शाती है। फेड इस निवेश उछाल के महंगाई और श्रम बाजार पर पड़ने वाले प्रभावों की लगातार निगरानी कर रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श ने महंगाई से लड़ने को केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। उन्होंने एआई निवेश में वृद्धि और श्रम बाजार की स्थिरता पर भी बात की। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श ने महंगाई से लड़ने को केंद्रीय बैंक की सबसे बड़ी चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति को सही करना उनका प्राथमिक उद्देश्य है। वॉर्श ने हाल ही में एक कांग्रेस समिति के समक्ष अपनी गवाही में यह बात कही।वॉर्श ने साफ किया कि फेड लगातार ऊंची महंगाई को बर्दाश्त नहीं करेगा। सभी सदस्य मूल्य स्थिरता बहाल करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता साझा करते हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी जून बैठक में संघीय कोष दर को 3.5-3.75 फीसदी पर बनाए रखा था। महंगाई कई वर्षों से फेड के लिए एक बड़ी चिंता रही है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं। मुख्य आंकड़े कई वर्षों से फेड के 2 फीसदी के आरामदायक स्तर से ऊपर बने हुए हैं। वॉर्श ने इसे नीचे लाने का संकल्प लिया है।

भारतीय टीम को चीयर करने पहुंची कृति सेनन

कबीर बहिया के साथ आईं नजर रिश्ते को लेकर फैंस ने लगाई अटकलें

Kriti Sanon And Kabir Bahia: कृति सेनन बर्मिंघम में अपने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ नजर आई हैं। कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच वह मंगलवार को बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच हुए वनडे मैच को देखने के लिए पहुंचीं। वहां उन्हें उनके कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ मैच का आनंद लेते हुए देखा गया। स्टैंड्स से उनकी तस्वीरें वायरल हुई हैं। उनके कथित रिश्ते पर फिर से चर्चा शुरू हो गई। बर्मिंघम में साथ दिखने से कृति और कबीर के बारे में महीनों से चल रही अटकलों को और हवा मिली है। कबीर ने वेन्यू से कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह कृति और उनके एक दोस्त के साथ स्टेडियम में पोज देते हुए नजर आए। कृति ने भी मैच की कुछ झलकियां अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट कीं। इन पोस्ट्स के सामने आने के तुरंत बाद, एजबेस्टन के स्टैंड्स से कृति की और तस्वीरें एक्स पर वायरल होने लगीं।

अनुपम खेर ने किए श्री राम वल्लभा कुंज के दर्शन

अनुभव किया साझा लिखा- संतों के आशीर्वाद

Anupam Kher Post: अनुपम खेर इन दिनों अयोध्या में अपनी फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच उन्होंने अपनी इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक के साथ श्री राम वल्लभा कुंज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक पास्ट साझा कर जानकारी दी है कि अयोध्या में अपनी फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग करके वह काफी गर्व महसूस कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें सिद्धपीठ श्री राम वल्लभा कुंज, जानकी घाट के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसकी तस्वीरें और वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए हैं।

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक पास्ट साझा कर जानकारी दी है कि अयोध्या में अपनी फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग करके वह काफी गर्व महसूस कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें सिद्धपीठ श्री राम वल्लभा कुंज, जानकी घाट के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसकी तस्वीरें और वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। अनुपम ने लिखा, 'कल शाम को मुझे अयोध्या के मशहूर मंदिर 'सिद्धपीठ श्री राम वल्लभा कुंज, जानकी घाट' जाने का सौभाग्य मिला।

श्री रामभूमि' की शूटिंग

अनुपम ने अपनी आगामी फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग अयोध्या में शुरू की थी। अनुपम ने आगे लिखा, 'हमारी फिल्म 'श्री रामभूमि' के निर्माता और निर्देशक के साथ मिलकर भगवान के दर्शन करके मेरे मन को बहुत शांति और भक्ति मिली। इसके साथ ही, मुझे आदरणीय श्री राजकुमार दास जी महाराज से मिलने और उनका आशीर्वाद पाने का भी मौका मिला।' अनुपम खेर जल्द ही फिल्म 'श्री रामभूमि' में नजर आएंगे, जिसकी घोषणा पहले ही हो चुकी है। अनुपम ने आगे लिखा, 'अयोध्या की सबसे बड़ी खूबी यही है

Deepika Padukone: दीपिका पादुकोण को हुई डोसा खाने की क्रेविंग रणवीर सिंह के साथ किया लंच

Deepika Padukone Viral Video: दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के घर जल्द ही दूसरी बार किलकारी गूंजने वाली है। हाल ही में दूसरी बार मां बनने वाली दीपिका को डोसा खाने की क्रेविंग हुई। बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। अपनी प्रेग्नेंसी के दिनों को एंजॉय कर रहीं दीपिका को हाल ही में पति रणवीर सिंह के साथ मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट के बाहर देखा गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

डोसा खाने की क्रेविंग

दीपिका पादुकोण को दक्षिण भारतीय खाना खाने का मन हुआ, जिसके लिए वह रणवीर सिंह के साथ मुंबई के प्रसिद्ध कैफे पहुंचीं। वहां दोनों ने स्वादिष्ट बटर डोसा का आनंद लिया। रेस्टोरेंट से बाहर निकलते समय दोनों कैजुअल कपड़ों और मास्क में नजर आए। जानकारी के मुताबिक, दीपिका की डिलीवरी इस साल अक्तूबर-नवंबर के आसपास में हो सकती है। फैंस भी दुआ के बाद दीपिका के दूसरे बच्चे के जन्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मैटरनिटी लीव पर जाने से पहले दीपिका ने अपनी दो बड़ी फिल्मों 'किंग' और 'राका' की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने 'किंग' फिल्म के लिए शाहरुख खान के साथ दक्षिण अफ्रीका में एक गाना और कुछ एक्शन सीन भी शूट किए। इसके अलावा उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ अपनी साउथ फिल्म 'राका' की भी शूटिंग पूरी कर ली है। रणवीर सिंह अगस्त से अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू करेंगे। दिवाली तक इस फिल्म की शूटिंग करने के बाद, वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए पैटरनिटी लीव लेंगे। इस फिल्म की शूटिंग अब सीधे 2027 में शुरू होगी। दीपिका और रणवीर की शादी साल 2018 में हुई थी। सितंबर 2024 में उनकी बेटी 'दुआ पादुकोण सिंह' का जन्म हुआ था। अब दुआ जल्द ही दो साल की उम्र में अपने छोटे भाई या बहन का स्वागत करेंगी। दीपिका ने इसी साल 19 अप्रैल को सोशल मीडिया पर दुआ की एक तस्वीर साझा कर अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी। दरअसल, दीपिका पादुकोण को साउथ इंडियन खाने की क्रेविंग हुई, जिसके बाद रणवीर सिंह अपनी पत्नी और पिता जगजीत सिंह भवनानी के साथ मुंबई के चौपाटी स्थित एक मशहूर साउथ इंडियन ईटरी 'बेने' (Benne) में लंच करने पहुंचे। रेस्टोरेंट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इस स्टार कपल की एक खूबसूरत तस्वीर साझा की है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गई। रणवीर सिंह द्वारा क्लिक की गई इस सेल्फी में पूरा ग्रुप बेहद खुश नजर आ रहा है।

कीकू शारदा का बड़ा खुलासा कपिल शर्मा शो में

स्क्रिप्टिंग को लेकर बोले कॉमेडियन कहा- 'सच कहूं तो करीब

Kiku Sharda: कॉमेडियन कीकू शारदा ने हाल ही में कपिल शर्मा शो को लेकर बड़े खुलासे किए। साथ ही उन्होंने शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर भी खुलकर बात की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। प्रखर गुप्ता से बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जो। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा सुरेश रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

Aamir Khan on Love Jihad

लव जिहाद के आरोपों पर आमिर ने तोड़ी चुप्पी बोले- 'हमारा परिवार सबको अपनाने वाला है'

Aamir Khan Marriage Controversy: बीते दिनों आमिर खान ने 61 साल की उम्र में गौरी स्प्रैट से तीसरी शादी की, जिसके बाद से ही उनके कई लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए और इसे लव जिहाद का नाम देने लगे। अब इस पूरे मामले पर खुद आमिर खान का बयान सामने आया है। बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान ने 5 जुलाई को अपनी पार्टनर गौरी स्प्रैट से शादी की थी। यह उनकी तीसरी शादी है। शादी के बाद से ही कई राजनेता और धार्मिक संगठन के लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए, और इसे लव जिहाद बताने लगे। यहां तक की मंगलवार को मुस्लिम पर्सनल दारुल इफ्ता के शाही चीफ मुफ्ती, मौलाना इफ्राहिम हुसैन ने आमिर की गौरी से शादी पर आपत्ति जताई और उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया।

आरोपों पर क्या बोले आमिर खान?

एक इंटरव्यू में आमिर खान ने इस मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में अलग-अलग धर्मों में शादियां हुई हैं, लेकिन इनमें कभी भी धर्म बदलने की बात नहीं आई। रेडिफ को दिए इंटरव्यू में आमिर ने लव जिहाद के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 'सच्चाई ये है कि हमारा परिवार बहुत खुला और सबको अपनाने वाला है। मेरी दोनों बहनों की शादी हिंदू परिवार में हुई है। मेरी बेटी की शादी भी एक हिंदू से हुई है। मेरे कजिन मंसूर की शादी एक क्रिश्चियन से हुई है।'

निक जोनस को प्रियंका चोपड़ा से ज्यादा पता हैं

बॉलीवुड के राज बोलीं उन्हें ऐसी बातें पता हैं जो मुझे भी

Priyanka Chopra And Nick Jonas: ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में निक जोनस के बारे में एक बड़ा खुलासा किया है। प्रियंका का कहना है कि उनसे भी ज्यादा बॉलीवुड की गॉसिप से निक वाकिफ हैं। बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनके पति और अमेरिकी सिंगर निक जोनस को बॉलीवुड की गपशप में काफी दिलचस्पी है। जोनस ब्रदर्स के एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रियंका ने बताया कि निक उनके लिए बॉलीवुड की खबरों का सबसे भरोसेमंद जरिया बन चुके हैं। प्रियंका के मुताबिक, बॉलीवुड में किसका क्या चल रहा है, इसकी जानकारी निक को उनसे भी ज्यादा रहती है। इस दौरान प्रियंका ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए बताया, 'कभी-कभी जब मैं किसी सेलिब्रिटी को मैसेज करके कहती हूं कि 'अपने पार्टनर को मेरा प्यार देना', तो निक मुझे टोकते हैं और कहते हैं कि 'नहीं, उन दोनों का तो ब्रेकअप हो चुका है।' तब मुझे सच पता चलता है।'जब निक के भाई केविन ने उनसे पूछा कि उन्हें ये सब कैसे पता चलता

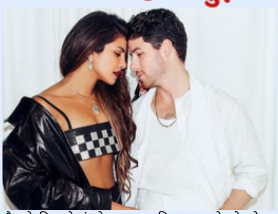

है, तो निक ने हंसते हुए कहा कि वह चुपके से सोशल मीडिया पर कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं, लेकिन वह उन पेजों का नाम नहीं बताएंगे। निक का मानना है कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की कहानियां लगातार बदलती रहती हैं, इसलिए उन्हें पढ़ना काफी दिलचस्प लगता है।

Tum Bin: जॉन अब्राहम हुए रिजेक्ट जगजीत सिंह से हुआ विवाद

'लगान' और 'गदर' के बीच कैसा रहा 'तुम बिन' का हाल?

25 years of Tum Bin: फिल्म 'तुम बिन' की रिलीज को आज 25 साल पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म से ना सिर्फ निर्देशक अनुभव सिन्हा ने डेब्यू किया था बल्कि फिल्म में मौजूद चारों मुख्य कलाकार भी नए थे। सिनेमाघरों में यह फिल्म तब रिलीज हुई थी जब दर्शक 'लगान' और 'गदर' जैसी फिल्मों को हाउसफुल बना रहे थे। आज इस फिल्म के 25 साल पूरे होने पर जानिए इससे जुड़ी कुछ खास बातें 13 जुलाई 2001 में फिल्म 'तुम बिन' जब रिलीज हुई थी तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह फिल्म एक दिन कल्ट रोमांटिक फिल्मों की श्रेणी में गिनी जाएगी पर गुजरते वक्त के साथ दर्शकों ने इस फिल्म की खूब कद्र की। जब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई तब मल्टीस्टारर, बड़े स्टार वाली और एक्शन फिल्मों का दौर था। मगर दर्शकों और खासकर युवाओं के मन में कहीं न कहीं एक अच्छी रोमांटिक कहानी देखने की इच्छा दबी थी। ऐसे दौर में रिलीज हुई 'तुम बिन', जिसका ना तो कोई नामचीन निर्देशक था और ना ही मशहूर स्टार कास्ट, बस थी तो सिर्फ दिल से लिखी एक कहानी जो सबके दिल को छू गई। आज फिल्म के 25 साल पूरे होने पर जानिए इससे जुड़ी कुछ खास बातेंफिल्म 'तुम बिन' कई मायनों में खास थी। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार ने उसी दौर में टी-सीरीज की कमान संभाली थी।

निर्देशक अनुभव सिन्हा ने पहले कई वीडियो और एड फिल्में बनाई थीं, मगर फिल्म बनाने का यह उनका पहला प्रयास था। जहां किसी फिल्म को सफल करने के लिए स्टार कास्ट को प्राथमिकता दी जाती थी। फिल्म में इसके उलट चारों मुख्य किरदारों के लिए नए चहरों का चुनाव किया गया। प्रियांशु चैटर्जी (शेखर मल्होत्रा), राकेश बापट (अमर शाह), हिमांशु मलिक (अभय ज्ञान) और संदली सिन्हा (पिया) ने इस फिल्म से डेब्यू किया। जहां राकेश बापट को एक एड में देखकर अनुभव की पत्नी ने उनकी सिफारिश की थी।

Aaj Ka Rashifal

बुधादित्य और सर्वार्थ सिद्धि योग से खुलेगी तरक्की की राह पढ़ें 15 जुलाई का राशिफल

Rashifal 15 July 2026: जानें मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों का दैनिक भविष्यफल। करियर, धन, स्वास्थ्य, परिवार और भाग्य के बारे में पढ़ें आज का राशिफल।

Rashifal 15 July 2026: बुधवार का दिन ग्रहों की स्थिति और शुभ योगों के प्रभाव से सभी 12 राशियों के लिए खास रहने वाला है। आज चंद्रमा कर्क राशि में रहेंगे और पुष्य नक्षत्र का प्रभाव रहेगा, जिससे भावनात्मक मजबूती, पारिवारिक संबंधों और महत्वपूर्ण फैसलों पर असर देखने को मिल सकता है। वाशि योग, सुनफा योग, बुधादित्य योग और सर्वार्थ सिद्धि योग जैसे शुभ संयोग कई राशियों के लिए तरक्की, आर्थिक लाभ और नए अवसरों के संकेत दे रहे हैं।

मेष

आज आपकी मेहनत और लगन रंग लाती नजर आएगी। जिस काम को लेकर आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, उसमें सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं और अधूरे कार्य भी पूरे हो सकते हैं। संतान की संगति पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी रहेगा। काम के सिलसिले में भागदौड़ बनी रहेगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन मेहनत और एकाग्रता का है। पारिवारिक व्यापार में हल्का नुकसान हो सकता है, लेकिन चिंता की बात नहीं है। वहीं नौकरी बदलने का विचार कर रहे लोगों को प्रमोशन के साथ कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

वृषभ

आज का दिन आपके रहन-सहन और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को पूरा करने के लिए सहयोगियों की मदद लेनी पड़ सकती है, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन पेट से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानी को नजरअंदाज न करें। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का योग भी बन रहा है। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और सम्मान मिलने की संभावना है।

मिथुन

आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देती नजर आएगी। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और नए विचार आपके काम को नई दिशा देंगे। हालांकि बेवजह के विवादों या अनावश्यक बातों में पड़ने से बचें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ देंगे। छोटी-मोटी नाराजगी हो सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी और प्यार से माहौल फिर से खुशनुमा बना देंगे।

कर्क

आज मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। काम में बदलाव करने का विचार आएगा, लेकिन फिलहाल कोई बड़ा फैसला टालना ही बेहतर रहेगा। बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और उनकी सलाह व्यापार में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति के साथ धन का लेन-देन करने से फिलहाल बचना ही समझदारी होगी।

सिंह

आज सफलता पाने के लिए पूरे ध्यान और एकाग्रता के साथ काम करना होगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में नए अवसरों के द्वार खोल सकती है। अपनी वाणी पर संयम रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है। परिवार के बड़े सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी सरकारी योजना में निवेश करने का विचार भी मन में आ सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी की बात दिल को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें।

कन्या

आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से भागदौड़ बढ़ सकती है। दोस्तों के साथ किसी छोटी पार्टी या मिलन समारोह की योजना बन सकती है। जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें, वरना परिवार में किसी बात को लेकर बहस हो सकती है। व्यापार से जुड़े फैसले भी सोच-समझकर ही लेना बेहतर रहेगा।

तुला

आज विरोधियों की कोशिशें आपकी समझदारी के आगे कमजोर पड़ सकती हैं। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे। हालांकि कोई काम आखिरी समय में अटक सकता है, इसलिए पूरी एकाग्रता बनाए रखें। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आज आपको सही दिशा दिखाएगी।

वृश्चिक

आज का दिन उन्नति और नई सफलताओं की ओर इशारा कर रहा है। लगातार मिलने वाली अच्छी खबरें आपका उत्साह बढ़ाएंगी। व्यापार से जुड़े मामलों में आपकी सतर्कता आपको लाभ दिलाएगी। पुरानी परेशानियों से राहत मिलने के संकेत हैं। संतान को अच्छे संस्कार और जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सिखाने का अवसर मिलेगा। अपने लिए नए कपड़े या कोई पसंदीदा गैजेट खरीदने का योग भी बन रहा है।

धनु

आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। बजट बनाकर चलेंगे तो आर्थिक संतुलन बना रहेगा। यदि कहीं आपका पैसा फंसा हुआ था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। परिवार के किसी विषय पर माता-पिता से खुलकर बातचीत करनी पड़ सकती है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। लंबी यात्रा पर जाने से पहले माता-पिता की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मकर

व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायक साबित हो सकता है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। संतान की उपलब्धियां आपको गर्व का अनुभव कराएंगी। अपनी निजी या महत्वपूर्ण जानकारी किसी के साथ साझा करने से बचें। पढ़ाई से जुड़ी परेशानियों का समाधान मिल सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का योग भी बन रहा है और परिवार के साथ बैठकर पुराने मतभेद सुलझाने का अवसर मिलेगा।

कुंभ

आज रुके हुए काम पूरे करने में थोड़ी मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। नौकरी में भी कुछ चुनौतियां सामने आएंगी, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उन्हें पार कर लेंगे। परिवार के किसी सदस्य से किया गया वादा निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। समय का सही उपयोग ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। यात्रा या बाहर निकलने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

मीन

आज आध्यात्मिक कार्यों से जुड़कर आपको सम्मान और नई पहचान मिलने के संकेत हैं। अपने आसपास के लोगों को समझने और छिपे हुए विरोधियों को पहचानने की जरूरत होगी। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष न रखें, क्योंकि सकारात्मक सोच ही आपको आगे बढ़ाएगी। अपने शौक और मनोरंजन पर खर्च कर सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और उनके साथ बिताया गया समय रिश्तों को और मजबूत बनाएगा।

Aaj Ka Love Rashifal

वृष और कर्क राशि वालों के रिश्तों में बढ़ेगी नजदीकियां पढ़ें 15 जुलाई का प्रेम राशिफल

Love Rashifal 15 July: मेष से मीन तक जानें आज आपकी लव लाइफ कैसी रहेगी। किस राशि के रिश्ते में बढ़ेगा रोमांस और किसे रहना होगा सतर्क, पढ़ें आज का लव राशिफल।

Love Horoscope 15 July 2026: 15 जुलाई 2026, बुधवार का दिन प्रेम संबंधों और वैवाहिक जीवन के लिहाज से कई राशियों के लिए खास संकेत लेकर आया है। आज चंद्रमा कर्क राशि में विराजमान है, जिससे भावनाएं और संवेदनशीलता बढ़ सकती है। वहीं ग्रहों की बदलती चाल कुछ लोगों के रिश्तों में प्यार और अपनापन बढ़ाएगी, जबकि कुछ जातकों को बातचीत में संयम रखने और गलतफहमियों से बचने की आवश्यकता होगी। जो लोग किसी नए रिश्ते की तलाश में हैं, उनके लिए भी दिन सकारात्मक संकेत दे सकता है। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों का 15 जुलाई 2026 का लव राशिफल।

मेष समेत 4 राशियों के लिए खुशखबरी! मंगल-शनि योग से मिलेगा धन और सम्मान

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार 19 जुलाई 2026 को बनने वाला मंगल-शनि का लाभ दृष्टि योग कुछ विशेष राशि के जातकों के लिए शुभ माना जा रहा है। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो राशियां।

Mangal Shani Yuti: वैदिक ज्योतिष में मंगल और शनि दोनों ही महत्वपूर्ण ग्रह माने जाते हैं। मंगल ऊर्जा, साहस, नेतृत्व क्षमता और पराक्रम का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि शनि अनुशासन, मेहनत, धैर्य और कर्मफल के कारक माने जाते हैं। जब ये दोनों ग्रह अनुकूल दृष्टि संबंध बनाते हैं, तो इसे कई ज्योतिषी सकारात्मक और प्रगति देने वाला योग मानते हैं। 19 जुलाई 2026, रविवार की रात 11:37 बजे मंगल और शनि के बीच 60 डिग्री का लाभ दृष्टि योग बनेगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार यह योग कई लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। विशेष रूप से मेष, वृश्चिक, मकर और कुंभ राशि के जातकों के लिए यह समय करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति और व्यक्तिगत जीवन में शुभ परिणाम देने वाला माना जा रहा है। आइए जानते हैं इन चारों राशियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ सकता है।

25 जुलाई के बाद दौड़ेगी इन 5 राशियों की किस्मत बुध उदय से करियर कारोबार और इनकम में होगा बड़ा उछाल

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार 25 जुलाई 2026 को बुध का अपनी स्वराशि मिथुन में उदय होना कई राशियों के लिए शुभ अवसर लेकर आ सकता है। कुछ राशि के जातकों को करियर, व्यवसाय, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना बताई जा रही है।

Budh Uday Ka rashiyon Par Prabhav: वैदिक ज्योतिष के अनुसार बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, संचार, तर्क, शिक्षा, व्यापार और गणना का कारक माना जाता है। जब बुध अस्त रहते हैं, तो इन क्षेत्रों से जुड़े कार्यों की गति कुछ धीमी हो सकती है। वर्ष 2026 में बुध 1 जुलाई से अस्त अवस्था में हैं, लेकिन 25 जुलाई 2026 को वे अपनी ही राशि मिथुन में उदित होंगे। अपनी स्वराशि में उदित होने के कारण बुध का प्रभाव अधिक मजबूत माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसका सकारात्मक असर कई राशियों पर पड़ सकता है

IND vs ENG: 11 साल बाद इंग्लैंड की एजबेस्टन में हार, भारत ने सीरीज में बनाई बढ़त; अक्षर का ऑलराउंड प्रदर्शन

इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम टी20 में मिली लगातार हार की निराशा को पीछे छोड़ने उतरेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की वापसी से टीम को मजबूती मिली है, जबकि इंग्लैंड भी मजबूत संयोजन के साथ मैदान पर उतरेगा।

अक्षर ने गेंद से भी दिखाया कमाल

भारत की ओर से अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे। शुरुआती ओवरों में विकेट नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने आखिरी बल्लेबाजों को तेजी से समेटते हुए 10 ओवर में 62 रन देकर चार विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह ने आंकड़ों से कहीं बेहतर गेंदबाजी की। उन्होंने नौ ओवर में सिर्फ 31 रन देकर एक विकेट लिया और पूरे स्पेल में इंग्लैंड के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

रोहित-कोहली सस्ते में आउट, गिल ने संभाली जिम्मेदारी 259 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा 11 और विराट कोहली सिर्फ पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 48 रन पर दो बड़े विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड मैच में हावी नजर आ रहा था। ऐसे समय कप्तान शुभमन गिल ने एक बार फिर जिम्मेदारी उठाई। उन्होंने शुरुआत में धैर्य दिखाया और फिर मौका मिलते ही अपने पसंदीदा ड्राइव और पुल शॉट्स से रन बटोरे। गिल ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय टीम ने पहले वनडे मुकाबले में इंग्लैंड को छह विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। जवाब में भारत ने 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर 262 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। कप्तान शुभमन गिल की शानदार कप्तानी पारी और अक्षर पटेल के दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। एजबेस्टन में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। जवाब में भारत ने 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। खास बात यह रही कि एजबेस्टन में 2015 के बाद इंग्लैंड की यह पहली वनडे हार है। पिछली बार 2014 में भी उसे भारत ने ही इस मैदान पर हराया था। 61/0 से 107/6... भारतीय गेंदबाजों ने पलटा मैच

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने बेन डकेट और फिल सॉल्ट की मदद से तेज शुरुआत की। 13वें ओवर की शुरुआत तक टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी और बड़ा स्कोर बनता नजर आ रहा था।लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मैच की तस्वीर ही बदल दी। जसप्रीत बुमराह ने दबाव बनाया तो गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार विकेट निकालकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। देखते ही देखते मेजबान टीम 107 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हैरी ब्रूक, जोस बटलर और जैकब बेथेल जैसे बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।

रूट-डॉसन ने संभाली इंग्लैंड की लड़खड़ाती पारी

107 रन पर छह विकेट गिरने के बाद अनुभवी जो रूट ने एक छोर संभाले रखा। उनका साथ दिया लंबे समय बाद वनडे टीम में लौटे लियाम डॉसन ने। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 121 रन जोड़कर भारत की पकड़ थोड़ी ढीली की। रूट ने 76 रन की जिम्मेदार पारी खेली, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं डॉसन ने 83 गेंदों में 68 रन बनाकर अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। दोनों की साझेदारी के दम पर इंग्लैंड 258 रन तक पहुंचने में सफल रहा।

भारत-इंग्लैंड पहले वनडे के दौरान एजबेस्टन में मैच देखने पहुंचे एमएस धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें वह एक बच्चे से पॉपकॉर्न लेते नजर आए। बच्चे के दोबारा ऑफर करने पर धोनी ने मुस्कुराकर विनम्रता से मना किया, जिसके बाद फैंस उनके इस सादगी भरे अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर अपने सादगी भरे अंदाज से फैंस का दिल जीतते नजर आए। भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान धोनी स्टैंड्स में मैच का आनंद लेते दिखाई दिए। इस दौरान एक छोटे बच्चे के साथ उनका प्यारा सा पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

बच्चे के पॉपकॉर्न ऑफर पर धोनी ने जीता दिल

मैच के दौरान टीवी कैमरों की नजर जैसे ही धोनी पर पड़ी, पूरे एजबेस्टन स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। इसी बीच धोनी के पास बैठा एक छोटा बच्चा उन्हें पॉपकॉर्न ऑफर करता नजर आया। धोनी ने बच्चे की भावनाओं का सम्मान करते हुए मुस्कुराकर पॉपकॉर्न स्वीकार किया और उससे बातचीत भी की। कुछ देर बाद बच्चे ने दोबारा पॉपकॉर्न ऑफर किया, लेकिन इस बार धोनी ने मुस्कुराते हुए इशारे से कहा कि वह पहले ही खा चुके हैं और विनम्रता से मना कर दिया। उनका यह सादगी भरा व्यवहार सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

फैंस के लिए अब भी खास हैं 'कैप्टन कूल'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कई साल बाद भी एमएस धोनी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। मैदान पर हों या स्टैंड्स में, उनका हर अंदाज फैंस के लिए खास बन जाता है। एजबेस्टन में एक छोटे बच्चे के साथ उनकी यह मुलाकात भी यही साबित करती है कि धोनी सिर्फ एक महान क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि अपने सहज और विनम्र स्वभाव की वजह से करोड़ों लोगों के दिलों पर आज भी राज करते हैं।

IND vs ENG: एजबेस्टन में धोनी का दिल जीतने वाला अंदाज, बच्चे से पॉपकॉर्न लेकर बटोरी सुर्खियां; वीडियो वायरल

इंग्लैंड दौरे पर लगातार नजर आ रहे हैं धोनी

एमएस धोनी इस साल भारतीय टीम के मुकाबलों में लगातार नजर आ रहे हैं। इससे पहले मार्च में उन्होंने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबला देखा था। इसके बाद वह अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में भी मौजूद थे, जहां भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने के साथ रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। हाल ही में धोनी ने अपना 45वां जन्मदिन भी इंग्लैंड के ट्रेंट ब्रिज मैदान पर भारत-इंग्लैंड के तीसरे टी20 मुकाबले के दौरान मनाया था। उनकी मौजूदगी जहां भी होती है, वहां फैंस की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है।

आईपीएल भविष्य पर अब भी बना हुआ है सस्पेंस

धोनी के भविष्य को लेकर अभी भी कोई स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। वह आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर नहीं आए, जिससे उनके आईपीएल करियर को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। हालांकि, धोनी हमेशा से अपने संन्यास या वापसी के फैसले खुद लेने के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल 2027 में वह वापसी करेंगे या नहीं, इस पर अभी तक न तो धोनी और न ही चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है।

क्या अख्तर-आसिफ भारत में ड्रग्स लाते थे?: MHA के पूर्व अधिकारी का दावा- वूल्मर की मौत भी शायद इसी वजह से हुई

आतंकवाद की फंडिंग से भी जोड़ा दावा

- पूर्व अधिकारी ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान गृह मंत्रालय में इस बात पर चर्चा होती थी कि आतंकवाद की फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा ड्रग्स तस्करी से आता है।
- उन्होंने कहा, 'उस समय की रिपोर्टों के मुताबिक, भारत में होने वाले लगभग 30 फीसदी आतंकी हमलों की फंडिंग ड्रग्स तस्करी से होती थी। पाकिस्तान से भारत में ड्रग्स भेजना उसकी सरकारी नीति का हिस्सा था।'
- मणि ने कहा, 'हमारा आकलन यही होता था कि यदि जलालाबाद में फसल अच्छी हुई है, तो भारत में आतंकी हमलों की संख्या बढ़ सकती है। हम इसी आधार पर अनुमान लगाते थे।'

मणि ने अफरीदी और मलिक के नाम का भी जिक्र किया

यह पूछे जाने पर कि पाकिस्तान प्रसिद्ध लोगों का इस्तेमाल ड्रग ट्रैफिकिंग के लिए क्यों करता था, तो इस पर मणि ने कहा, ' आसिफ और अख्तर भी चर्चित लोगों में से एक थे। वैसे ही सलीम मलिक और शाहिद अफरीदी भी चर्चित क्रिकेटरों में से एक रहे। उनका नाम शायद इस केस में नहीं आया, लेकिन पूरी टीम इसमें शायद शामिल थी और वो ऐसा किया करते थे।'

गृह मंत्रालय के पूर्व अंडर सेक्रेटरी आरवीएस मणि ने दावा किया है कि भारत दौरे पर आने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम और उसके प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य ड्रग्स तस्करी में शामिल थे। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा कि शोएब अख्तर और मोहम्मद आसिफ ने कथित तौर पर पाकिस्तानी हाई कमिश्नर के सामने ड्रग्स लाने की बात स्वीकार की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) के पूर्व अंडर सेक्रेटरी आरवीएस मणि के एक बयान ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े पुराने विवादों को फिर चर्चा में ला दिया है। एएनआई को दिए पॉडकास्ट में उन्होंने दावा किया कि भारत दौरे पर आने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम और उसके प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य कथित तौर पर ड्रग्स तस्करी में शामिल होते थे। उन्होंने इस गतिविधि के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का भी हाथ होने का आरोप लगाया।

अख्तर-आसिफ को भेजा गया था घर

ईएसपीएन-क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, शोएब अख्तर और मोहम्मद आसिफ को अक्तूबर 2006 में भारत से वापस पाकिस्तान भेज दिया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कराए गए डोपिंग परीक्षण में दोनों खिलाड़ियों के प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड 'नैंड्रोलोन' के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें वापस बुला लिया था। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों पर शुरुआत में प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन दिसंबर 2006 में एक ट्रिब्यूनल ने उन्हें आरोपों से मुक्त कर दिया था।

Explainer: बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ तेज गेंदबाज नाकाम

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टी20 टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। भारत को आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा है जिससे श्रेयस की कप्तानी और गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आइए जानते हैं इस कारण के पांच मुख्य कारण क्या है और भविष्य को लेकर बीसीसीआई क्या कार्रवाई कर सकता है आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। नकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए।

Brendon McCullum: टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा देंगे मैकुलम जानें इंग्लैंड बोर्ड ने क्या एलान किया

ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे, जिसकी आधिकारिक पुष्टि ईसीबी ने कर दी है। हालांकि, वह इंग्लैंड की वनडे और टी20 (व्हाइट-बॉल) टीमों के मुख्य कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे। हालांकि, वह इंग्लैंड की पुरुष वनडे और टी20 (व्हाइट-बॉल) टीमों के मुख्य कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। मैकुलम का टेस्ट टीम के मुख्य कोच के रूप में चार साल का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट के सबसे आक्रामक और रोमांचक दौरों में से एक तक पहुंचाया।

ईसीबी ने बदलाव की पुष्टि की

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि मैकुलम ने इंग्लैंड की टेस्ट टीम में नई ऊर्जा और नई सोच का संचार किया। उनके नेतृत्व में टीम ने कई यादगार जीत दर्ज कीं। उन्होंने कहा कि बोर्ड मैकुलम के योगदान का आभारी है, लेकिन अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में जीत के लक्ष्य को देखते हुए टेस्ट टीम के लिए बदलाव का यह सही समय है।

चार साल में बदली इंग्लैंड टेस्ट टीम की तस्वीर

ब्रेंडन मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड टेस्ट टीम की कमान संभाली थी। बेन स्टोक्स के साथ उनकी कप्तान-कोच जोड़ी ने आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट की नई शैली अपनाई, जिसे दुनिया भर में 'बैजबॉल' के नाम से पहचान मिली। इस दौर में इंग्लैंड ने कई यादगार टेस्ट मुकाबले जीते और टीम की खेलने की शैली में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

व्हाइट-बॉल टीम के साथ जारी रहेगा सफर

मैकुलम इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीमों के मुख्य कोच बने रहेंगे। हाल ही में उनकी कोचिंग में इंग्लैंड की टी20 टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इसके अलावा, इंग्लैंड ने भारत को हराकर टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 टीम का स्थान भी हासिल किया। ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टेस्ट टीम को कोच करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि इस सफर में कई शानदार पल आए और कुछ कठिन दिन भी रहे, लेकिन यही इस चुनौती का हिस्सा था। उन्होंने कहा, 'मैं खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का आभारी हूं जिन्होंने पूरे सफर में हमारा साथ दिया।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

**R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com**

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300